**भारत सरकार**

**संस्कृति मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 234**

**उत्तर देने की तारीख : 24 जून, 2019**

**राष्ट्रीय पुस्तकालय नीति का गठन**

**234. डॉ. सुकान्त मजूमदार :**

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में पुस्तकालयों के समन्वित विकास हेतु एक राष्ट्रीय पुस्तकालय नीति बनाने की तत्काल आवश्यकता है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े हैं तथा यदि हां, तो स्वीकृत और रिक्त पदों की संख्या का पुस्तकालय/संस्था-वार ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा रिक्त पदों को भरने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या निधि और संसाधनों के अभाव में राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता सहित पुस्तकालय दयनीय स्थिति में हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में अन्य क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)**

**संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

(क) : पुस्तकालय राज्य का विषय है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में पुस्तकालय संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्राधिकरण के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्य करते हैं। वर्ष 2005 में स्थापित राष्ट्रीय ज्ञान आयोग ने पुस्तकालयों पर एक कार्यकारी समूह का गठन किया था जिसने पुस्तकालय और सूचना सेवा क्षेत्रों के नवीकरण के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन स्थापित करने की सिफारिश की थी। इन सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन की स्थापना ज्ञानपूर्ण समाज के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए की गई है।

(ख) : जी, नहीं। इस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन पुस्तकालयों में अधिकांश मौजूदा पद भरे हुए हैं।

(ग) : जी, नहीं।

(घ) : संस्कृति मंत्रालय द्वारा राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान की समतुल्य और गैर-समतुल्य स्कीमों के माध्यम से तथा राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के माध्यम से विभिन्न प्रयोजनों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है जैसे, पुस्तकालय भवनों का निर्माण/नवीनीकरण, फर्नीचर और उपकरणों सहित अवसंरचना का स्तरोन्नयन, आधुनिकीकरण, पुस्तकों और पठन संसाधनों की खरीद, संगोष्ठी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन और पुस्तकालय व्यावसायिकों का क्षमता निर्माण/कार्यशाला/आउटरीच कार्यक्रम, बाल कॉर्नर की स्थापना, विभिन्न खंड खोलना, दिव्यांग पाठकों के लिए सुविधाएं जुटाना, ब्रेल कॉर्नर आदि।

***